(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान देश में आयात की गई प्रमुख वस्तुएं और कुल आयातों में उसकी हिस्सेदारी की प्रतिशतता निम्नानुसार है :—

वस्तु	1992–93	1993–94	1994–95 (अप्रैल-जन.)
(1) पैट्रोलियम अपरिष्कृत तथा उसके उत्पाद	27.0	24.8	21.3
(2) मोती, कीमती और अर्द्धकीमती रत्न	11.1	11.3	5.6
(3) विद्युतीय मशीनों को छोड़कर मशीनरी	7.5	9.4	8.9
(4) परियोजना वस्तुएं	5.8	6.0	6.5
(5) कार्बनिक और अकार्बनिक रसायन	6.5	6.0	7.8
(6) परिवहन उपकरण	2.1	5.5	4.2
(7) लोहा और इस्पात	3.6	3.5	4.3
(8) विद्युतीय मशीनरी	3.8	3.4	0.8
(9) उर्वरक विनिर्मित	3.2	2.7	2.7
(10) व्यावसायिक उपकरण	2.3	2.1	1.6

पूर्ति विभाग द्वारा आपूर्तिकर्ताओं को देय राशि का भुगतान न किया जाना

5103. **श्री ईश दत्त यादव :**
श्री आस मोहम्मद :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पूर्ति विभाग ने दुर्भावना के कारण कई पूर्तिकर्ताओं को उनकी देय राशि का भुगतान नहीं किया है ;

(ख) यदि हां, तो 28 फरवरी, 1994 के अनुसार कितनी धनराशि का भुगतान बकाया था ;

(ग) भुगतान रोके जाने के क्या हैं ; और

(घ) सरकार ने निश्चित अवधि के अन्दर लंबित पड़े बिलों का भुगतान करने के लिए क्या कार्यवाही की है ?

वाणिज्य मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी. चिदम्बरम्) : (क) से (ग) जी नहीं ।

यदि आपूर्तिकर्ताओं के बिल अपेक्षित कागजात सहित ठीक होते हैं तो उन्हें, उनकी देय और अनुज्ञेय राशि का भुगतान कर दिया जाता है। तथापि, 28–2–1994 की स्थिति के अनुसार कुछेक मामलों में क्रेता/मांगकर्ताओं/परेषितियों

द्वारा वसूली की सलाह, मुकदमेबाजी, दस्तावेजों/रिकार्ड आदि की अनुपलब्धता आदि जैसे विभिन्न कारणों की वजह से 17.60 करोड़ रू० (लगभग) के बिल लम्बित रखे गए थे।

(घ) लम्बित बिलों की यह सुनिश्चित करने की दृष्टि से आवधिक रूप से समीक्षा की जाती है कि जैसे ही इन बिलों के लम्बन के कारण दूर हो जाएं इन बिलों का भुगतान कर दिया जाए।

Target for production of Tea by 2000 A.D.

5104. SHRI AJIT P. K. JOGI:
SHRI MOOLCHAND MEENA:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether Government have set any target for the production of tea by the year 2000;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether any success has so far been achieved in this regard; and

(d) if so, what are the details thereof and if not, what steps have been taken by Government to achieve the said target?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARM): (a) and (b) Tea Board had prepared a perspective plan in 1991 to increase the production of tea to 1000 million kgs. by 2000 A. D. so as to generate higher exportable surplus of tea. This plan includes short term measures such as optimization of inputs and improved cultural practices; medium term measures such as improvement of irrigation, drainage, rejuvenation, pruning and infilling as well as long term measures including replanting and extension planting.

(c) and (d) An all time high production level of 758 million kgs. was achieved in 1993. Tea Board is further rationalising its developmental schemes to boost production.

Dumping of fabrics by China and Indonesia

5105. SHRI VIREN J. SHAH:
SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether the Indian textile industry has urged Government to check the large scale dumping of fabrics into India by China and Indonesia following the lifting of export curbs on textiles and clothing under the GATT Agreement;

(b) if so, what are the details in this regard;

(c) what is the quantity and value of such goods dumped into the country from these countries;

(d) to what extent the dumping of fabrics etc. have affected the Indian textile industry; and

(e) what effective steps Government propose to take to check and curb the dumping of fabrics in the country and to help the Indian textile industry?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) The Designated Authority for Anti-Dumping has not received any petition from the domestic industry alleging dumping of textiles by China and Indonesia till date.

(b) to (e) Do not arise.